बिहार सरकार,
कृषि विभाग।

पत्र संख्या–4/कृ०शि०को०–23/2018– 3621 /कृ0, पटना, दिनांक 31/10/ 2018

प्रेषक,

रवीन्द्र नाथ राय,
विशेष सचिव।

सेवा में,

महालेखाकार बिहार,
वीरचन्द पटेल पथ, पटना।
द्वारा (+) वित्त विभाग, बिहार, पटना।

अनौपचारिक रूप से परामर्शित।

विषय : **Evaluation of different super absorbent polymers as moisture controlled release agents in agriculture under dry land regions of Bihar** परियोजना हेतु पाँच वर्षों में 45.50 लाख रू० परियोजना लागत की स्वीकृति तथा इसके अधीन वित्तीय वर्ष 2018–19 में 10.50 लाख रू० (दस लाख पचास हजार) रू० सहायक अनुदान की निकासी एवं व्यय की स्वीकृति।

आदेश : स्वीकृत।

निदेशानुसार निदेशक अनुसंधान, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर के पत्रांक 791 दिनांक 21.08.2018 से प्राप्त प्रस्ताव के क्रम में Evaluation of different super absorbent polymers as moisture controlled release agents in agriculture under dry land regions of Bihar परियोजना हेतु पाँच वर्षों में 45.50 लाख रू० परियोजना लागत की स्वीकृति तथा इसके अधीन वित्तीय वर्ष 2018–19 में 10.50 लाख रू० (दस लाख पचास हजार) रू० सहायक अनुदान की निकासी एवं व्यय की स्वीकृति प्रदान की जाती है।

2. फसलों की खेती के लिए नमी एक प्राथमिक आवश्यकता है। राज्य के किसान अधिकतर मानसून पर आश्रित हैं। सुनिश्चित सिंचाई के क्षेत्रों में फ्लड विधि से सिंचाई की जाती है तथा सिंचाई के कुछ समय बाद फिर से नमी की कमी होने पर अगली सिंचाई की आवश्यकता उत्पन्न हो जाती है। मिट्टी में नमी को बनाये रखने के लिए सुपर ऑबजरमेंट मेटेरियल विंकसित किया गया है, जो खेत में नमी की अधिकता के समय नमी को पकड़ कर खेत में नमी की कमी के समय फसलों को जल उपलब्ध कराता है। सुपर ऑबजौरमेंट पॉलिमर अपने मात्रा के 400 गुणा तक पानी को सोख कर रख सकता है तथा इसमें से 95 प्रतिशत तक पानी फसलों के उपयोग के लिए उपलब्ध हो सकता है। इस प्रकार मिट्टी की नमी धारण क्षमता में वृद्धि हो सकती है। जिससे फसल उत्पादन में वृद्धि हो सकती है। इस संबंध में सुपर ऑबजॉरमेंट मेटेरियल के उपयोग से कृषि लागत एवं लाभ के असर के साथ साथ मिट्टी एवं पर्यावरण पर इसके असर के अध्ययन की आवश्यकता को ध्यान में रखकर प्रस्तुत योजना स्वीकृत की जाती है।